Objective Question

51 62001 "The word 'Religion' is derived from this language.

1. Sanskrit
2. Arabic
3. Hindi
4. Greek

'रिलिजन' शब्द इस भाषा से लिया गया है

1. संस्कृत
2. अरबी
3. हिंदी
4. लैटिन

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

52 62002 This is not a form of primitive religion.

1. Monotheism
2. Mana
3. Totemism
4. Animism

यह आदि धर्म का एक रूप नहीं है

1. एकेश्वरवाद
2. माना
3. टोटेमवाद
4. जीव वाद

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

53 62003

Find out the main feature of historical religion.

1. Mana
2. Totemism
3. Monotheism
4. Magic

ऐतिहासिक धर्म की मुख्य विशेषता यह है :

1. माना
2. टोटेमवाद
3. एकेश्वरवाद
4. जादू

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

54 62004

Revelation is the main feature of.

1. Prophetic faith
2. Primitive faith
3. Folk faith
4. Adi Dharma

रहस्योद्घाटन इसकी विशेषता है-

1. पैगम्बर आस्था
2. आदि आस्था
3. लोक आस्था
4. आदि धर्म

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

55 62005

Find out the form of early religion expression among the following.

1. Idol worship
2. Nirguṇa Bhakti
3. Worship of goddess
4. Mana

निम्नलिखित में से धार्मिक अभिव्यक्ति का प्रारम्भिक रूप यह है :-

1. मूर्ति पूजा
2. निर्गुण भक्ति
3. देवी पूजा
4. माना

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

56 62006

Mana is a feature of.

1. Modern society
2. Postmodern society
3. Premodern society
4. Industrial society

माना इसकी विशेषता है:

1. आधुनिक समाज
2. उत्तर-आधुनिक समाज
3. पूर्व-आधुनिक समाज
4. औद्योगिक समाज

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

57 62007

According to Emile Durkheim, Totem represents the.

1. Organic solidarity
2. Mechanical solidarity
3. Secular solidarity
4. Modern solidarity

इमाइल दुर्खीम के अनुसार टोटेम इसका प्रतिनिधित्व करता है :

1. जैविक एकात्मकता
2. यान्त्रिक एकात्मकता
3. धर्मनिरपेक्ष एकात्मकता
4. आधुनिक एकात्मकता

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

58 62008

A doctrine identifies the deity with everything is called.

1. Monotheism
2. Animism
3. Atheism
4. Pantheism

हर चीज के साथ देव की पहचान करने वाला सिद्धांत यह कहलाता है :

1. एकेश्वरवाद
2. जीववाद
3. निरीश्वरवाद
4. सर्वेश्वरवाद

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

59 62009

To understand the origin of religion this approach is applied by E.B Tylor.

1. Functional
2. Structural
3. Evolutionary
4. Structural-functional

ई. बी. टेलर ने धर्म की उत्पत्ति को समझने के लिए इस उपागम को लागू किया:

1. प्रकार्यात्मक
2. संरचनात्मक
3. विकासवादी
4. संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

60 62010

Book titled "The Protestant Ethic and The Sprit of Capitalism is written by.

1. Max Weber
2. Karl Marx
3. Max Muller
4. J.S. Mill

"दि प्रोटेस्टेंट एथिक एंड दि स्पिरिट ऑफ़ कैपिटलिज्म" नामक पुस्तक के लेखक हैं :

1. मैक्स वेबर
2. कार्ल मार्क्स
3. मैक्स मूलर
4. जे. एस. मिल

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

61 62011

Atheism means.

1. Belief in totem
2. Belief in one God
3. Belief as God is all in
4. Disbelief in God

निरीश्वरवाद का अर्थ है -

1. टोटेम में विश्वास
2. एक ईश्वर में विश्वास
3. यह विश्वास कि ईश्वर सर्वत्र है
4. ईश्वर में अविश्वास

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

62 62012 Identify the name of the scholar who gave materialistic interpretation of the religion.

1. Ludwig Feuerbach
2. Jacques Derrida
3. Max Weber
4. Jurgen Habermas

उस विद्वान का नाम बताइये जिसने धर्म की भौतिकवादी व्याख्या दी :

1. लुडविग फेयूरबैक
2. जैक देरिदा
3. मैक्स वेबर
4. जर्गन हेबरमास

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

63 62013

'Vasudhaiva kutumbakam' is the declaration of.

1. Bauddha culture
2. Bahai culture
3. Islam culture
4. Vedic culture

'वसुधैव कुटुम्बकम्' इसकी घोषणा है

1. बौद्ध संस्कृति
2. बहाई संस्कृति
3. इस्लामिक संस्कृति
4. वैदिक संस्कृति

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

64 62014 The dialogue between Yamacharya and Nachikete mentioned in:

1. Ishopaniṣad
2. Kaṭhopaniṣad
3. Chhāndogyopaniṣad
4. Prshnopaniṣad

यमाचार्य और नचिकेता के बीच संवाद का उल्लेख इसमें है :

1. ईशोपनिषद्
2. कठोपनिषद्
3. छांदोग्योपनिषद्
4. प्रश्नोपनिषद्

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

65 62015

The main preaching of Uttara Mimamsa philosophy is:

1. Gyānamārga
2. Yogamārga
3. Karma mārga
4. Bhakti mārga

उत्तर मीमांसा दर्शन का मुख्य उपदेश है :

1. ज्ञानमार्ग
2. योगमार्ग
3. कर्ममार्ग
4. भक्तिमार्ग

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

66 62016

The concept of the Brahman is the real and World is illusion' is proclamed by:

1. Rāmānujāchārya
2. Shankarāchārya
3. Ballabhāchārya
4. Mādhvāchārya

'ब्रह्म सत्य है जगत् मिथ्या है' की अवधारणा इन्होंने प्रतिपादित की :

1. रामानुजाचार्य
2. शंकराचार्य
3. बल्लभाचार्य
4. माधवाचार्य

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

67 62017

According to Jainism 'Ratri Bhojan Viramaṇa' a vow is closely relted to:

1. Aparigrahāṇuvrata
2. Satyāṇuvrata
3. Acauryāṇuvrata
4. Ahiṃsāṇuvrata

जैन धर्म के अनुसार 'रात्रि भोज विरमण' व्रत का इसके साथ निकट संबंध है -

1. अपरिग्रहाणुव्रत
2. सत्याणुव्रत
3. अचौर्याणुव्रत
4. अहिंसाणुव्रत

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

68 62018

The word 'Mūlasaṅgha' is assiociated with the-

1. Sthnākavāsī
2. Terāpantha Śvetāmbara
3. Digambara
4. Mūrtipujak Śvetāmbara

'मूलसंघ' शब्द इससे संबंधित है :

1. स्थानकवासी
2. तेरापंथ श्वेताम्बर
3. दिगम्बर
4. मूर्तिपूजक श्वेताम्बर

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

69 62019

Gaṇādhipati Tulsi was the Ācārya of-

1. Sthanākvasī Sect
2. Śvetāmbara Mūrtipujak Sect
3. Terāpantha Śvetāmbara Sect
4. Digamber Sect

गणाधिपति तुलसी इसके आचार्य थे :

1. स्थानकवासी सम्प्रदाय
2. श्वेताम्बर मूर्ति पूजक सम्प्रदाय
3. तेरापंथ श्वेताम्बर सम्प्रदाय
4. दिगम्बर सम्प्रदाय

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

70 62020

In the early Period of Jain history, Jainism was known as-

1. Tathāgata Dhamma
2. Sanātana Dhamma
3. Purāṇa Dhamma
4. Niggaṇṭha Dhamma

जैन इतिहास के आरंभिक काल में जैन धर्म को इस नाम से जाना जाता था?

1. तथागत धम्म
2. सनातन धम्म
3. पुराण धम्म
4. निग्गंठ धम्म

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

71 62021

The foremost respective of the yogācarā-mādhyamika or yogācara-mādhyamika svātāntrika school is.

1. Nāgārjuna
2. Śāntaraksita
3. Padamsambhava
4. Dharmakirti

योगाचार माध्यमिक या योगाचार सौत्रान्त्रिक सम्प्रदाय के सर्व प्रथम प्रतिनिधि ये हैं :

1. नागार्जुन
2. शांतरक्षित
3. पद्मसंभव
4. धर्मकीर्ति

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

72 62022

In early Buddhism, the four classes of Buddhist followers were preached by.

1. Moggaliputra Tiṣya
2. Ānanda
3. Jīvaka
4. Emperor Asoka

आरंभिक बौद्धधर्म में बौद्ध अनुयायियों के चार वर्गों को उपदेश देने वाले थे -

1. मोग्गलिपुत्र तिष्य
2. आनंद
3. जीवक
4. सम्राट अशोक

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

73 62023

Identify the meaning of the term Vyādha-mātaka Samjñā.

1. Perception of the bones being scattered
2. Perception of a swollen corpse
3. Perception of dry bones
4. Perception of burned corpse

'व्याधमातक संज्ञा' शब्द का अर्थ पहचानिए :

1. अस्थियां बिखेरे जाने का अवबोध
2. फूले हुए शव का अवबोध
3. सूखी अस्थियों का अवबोध
4. जले हुए शव का अवबोध

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

74 62024

Identify the content of Cariyāpiṭaka among the following:-

1. It contains 35 birth stories of the Buddha in Verse regarding the Pārāmitās
2. It has 80 utterances of the Buddha in verse with context
3. It has 112 short teaching of Buddha in prose and ended with a verse
4. It contains 51 verse narratives describing specially how the effect of bad acts can lead to bad rebirth

चरियापिटक की विषयवस्तु की पहचान कीजिए :

1. इसमें पारमिता के संबंध में बुद्ध के जन्म से जुड़ी 35 पद्यात्मक कहानियाँ हैं।
2. इसमें बुद्ध के संदर्भ सहित 80 पद्यात्मक उक्तियाँ हैं।
3. इसमें गद्य में बुद्ध के 112 संक्षिप्त उपदेश हैं और अंत में एक पद्य है।
4. इसमें 51 पद्यात्मक आख्यान हैं, जिसमें विशेष रूप से यह वर्णन किया गया है कि बुरे कार्यों के प्रभाव से कैसे बुरा पुनर्जन्म मिलता है।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

75 62025

The name of the Sacred Scripture of Judaism is:

1. The Gospels
2. The Tanakh
3. The Revelations
4. The Epistle

यहूदी धर्म के पवित्र ग्रन्थ का नाम है:

1. द गोस्पेल्स
2. द तनख
3. द रिवेलेशंस
4. द एपिसल

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

76 62026 The Ten Commandments were given to:

1. Moses
2. Saint John
3. Jacob
4. Abraham

दस धर्मादेश इन्हें प्राप्त हुए थे :

1. मूसा
2. सेंट जॉन
3. जैकब
4. अब्राहम

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

77 62027

Moses was.

1. A disciple of Saint Paul
2. First pope
3. The great historical leader
4. A Saint of Sia

मूसा थे :

1. सेंट पॉल के शिष्य
2. प्रथम पोप
3. महान ऐतिहासिक नेता
4. शिया संत

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

78 62028

Books of Torah are:

1. Genesis, Titus and Gospels
2. Titus, Rooms and Job
3. Deuteronomy, Leviticus and Genesis
4. Romans, Acts and Genesis

तोरा ग्रन्थ की पुस्तकें है :

1. जेनेसिस, टाइटस एंड गॉस्पेल
2. टाइटस, रोम्स एंड जो
3. ड्युतेरोनॉमी, लेविटिकस एंड जेनेसिस
4. रोमन एक्ट्स एंड जेनेसिस

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

79 62029

The term 'Bible' means:

1. Collection of books
2. Holy statues of Saints
3. Holy places
4. Collection of Saints

पद 'बाइबल' का आशय है :

1. पुस्तकों का संग्रह
2. संतों की पवित्र प्रतिमाएं
3. पवित्र स्थल
4. संतों के संग्रह

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

80 62030

The first book of the Bible is called as:

1. Genesis
2. Revelation
3. Exodus
4. Leviticus

बाईबिल की प्रथम पुस्तक इस रूप में जानी जाती है :

1. जेनेसिस
2. रेवेलेसन्स
3. एक्सोडस
4. लेविटिकस

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

81 62031

The Catholic Church was subdivided into Roman Catholic and Protestant Church in this year 1517 under the leadership of this reformer.

1. John Calvin
2. Martin Luther
3. Martin Luther King
4. John Wesley

इस सुधारक के नेतृत्व में वर्ष 1517 ई. में रोमन कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट के रूप में उप-विभाजित हुआ था :-

1. जॉन काल्विन
2. मार्टिन लूथर
3. मार्टिन लूथर किंग
4. जॉन वेस्ली

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

82 62032

The 'World Council of Churches' was established in this year:

1. 1948
2. 1517
3. 1962
4. 1965

'वर्ड काउंसिल ऑफ़ चर्चेज' की स्थापना इस वर्ष में हुई थी :

1. 1948
2. 1517
3. 1962
4. 1965

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

83 62033

This collection of Hadith is regarded as most authentic.

1. Mishkat
2. Suman Darimi
3. Jamil Tirmizi
4. Sawith al-Bukhari

हदीस का यह संग्रह सर्वाधिक प्रामाणिक माना जाता है :

1. मिस्कत
2. सुमन दारिमी
3. जामे तिरमिजी
4. सहीह-अल-बुख़ारी

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

84 62034 Imam Ghazali was a strict folowers of.

1. Mutazilism
2. Asharism
3. Zahirism
4. Maturidism

इमाम गज्जाली इनके प्रबल अनुयायी थे

1. मुताजिली
2. अशअरी
3. ज़ाहिरी
4. मातुरीदी

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

85 62035

The battle of Qadisiyya was fought during the caliphate of.

1. Hazrat Abu Bakr
2. Hazrat Umar
3. Hazrat Usman
4. Hazrat Ali

कदीसिया का युद्ध इस खलीफा के शासनकाल में लड़ा गया :

1. हजरत अबु बक्र
2. हजरत उमर
3. हजरत उस्मान
4. हजरत अली

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

86 62036 Imam Abu Yusuf was a companion of Imam Abu Hanifa His real name was:

1. Yaqub ibn Ibrahim al-Ansari
2. Hushain bin Bashir
3. Ibrahim ibn Saad
4. Yahya bin Saeed

इमाम अबू युसुफ, इमाम अबू हनीफा के साथी थे। उनका वास्तविक नाम था :

1. याकूब इब्न इब्राहिम अल-अंसारी
2. हुसैन बिन बशीर
3. इब्राहिम इब्न साद
4. याह्या बिन सईद

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

87 62037

Bani in rage Suhi called 'Lāwān' is written by.

1. Guru Namak Dev ji
2. Guru Amardas Ji
3. Guru Ram Das Ji
4. Guru Arjan Dev Ji

वाणी में 'लावां' नाम से जानी जाने वाली राग सूही इनके द्वारा लिखी गई :

1. गुरु नानक देव जी
2. गुरु अमरदास जी
3. गुरु रामदास जी
4. गुरु अर्जन देव जी

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

88 62038

Sukhmani bani is the composition of.

1. Guru Nanak Dev Ji
2. Guru Amardas Ji
3. Guru Gobind Singh ji
4. Guru Arjan Dev Ji

'सुखमणी बाणी' इनकी रचना है :

1. गुरु नानक देव जी
2. गुरु अमरदास जी
3. गुरु गोबिंद सिंह जी
4. गुरु अर्जन देव जी

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

89 62039

The book "Shri Guru Panth Parkash" is written by.

1. Bhai Vir Singh
2. Bhai Gurdas
3. Rattan Singh Bhangu
4. Sarup Das

पुस्तक "श्री गुरु पंथ परकाश" इनके द्वारा लिखी गयी थी :

1. भाई वीर सिंह
2. भाई गुरदास
3. रतन सिंह भंगू
4. सरूप दास

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

90 62040 Sri Guru Granth Sahib Commences with this raga.

1. Mājh
2. Sūhī
3. Śri rāga
4. Āsā

श्री गुरु ग्रंथ साहिब इस राग से आरम्भ होता है :

1. माझ
2. सूही
3. श्री राग
4. आसा

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

91 62041

The main elements of religion are:-

A. Scripture
B. Fundamentalism
C. Rituals
D. Revelation
E. Revivalism

Choose the correct answer from the options given below:

1. A and D only
2. B and D only
3. A and B only
4. A, C and D only

धर्म के मुख्य तत्व हैं :

A. धर्मग्रन्थ
B. कट्टरवाद
C. अनुष्ठान
D. प्रकटन
E. पुनर्जागरण

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A और D
2. केवल B और D
3. केवल A और B
4. केवल A, C और D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

92 62042

Identify the correct features of Totem from the following:

A. Totem is a unified system of rituals and beliefs
B. Totem is form of modern art
C. Totem is a form of religious life
D. Totem is symbolic manifestation of profane/life
E. Totem is sacred symbol

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. A, B and D only
2. B, C and D only
3. A, C and E only
4. A, B and D only

निम्नलिखित में से सही विशेषताओं का चयन कीजिए:

A. टोटेम अनुष्ठानों और विश्वासों की एक एकीकृत प्रणाली है।
B. टोटेम आधुनिक कला का एक रूप है।
C. टोटेम धार्मिक जीवन का एक रूप है।
D. टोटेम लौकिक जीवन का एक प्रतीकात्मक प्रकटन है।
E. टोटेम एक पवित्र प्रतीक है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और D
2. केवल B, C और D
3. केवल A, C और E
4. केवल A, B और D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

93 62043 Identify the objectives of the study of religion.

A. Understanding the message of scriptures
B. Comparative study of religious beliefs
C. Justify own faith
D. Study of various faiths of traditions
E. Preaching of religion

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B and E only
2. A, B and D only
3. B, D and E only
4. C, D and E only

धर्म के अध्ययन के उद्देश्यों की पहचान कीजिए :

A. धर्म ग्रंथों के संदेश को समझना
B. धार्मिक विश्वासों का तुलनात्मक अध्ययन
C. स्वयं की आस्था को सही ठहराना
D. विभिन्न आस्थाओं की परम्पराओं का अध्ययन
E. धर्म का उपदेश देना
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B और E
2. केवल A, B और D
3. केवल B, D और E
4. केवलC, D और E

A1 : 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

94 62044 Identify a "shaman"

A. A person having magical power
B. A wise person
C. A person who controls spiritual powers
D. A person who has the possession of spiritual power
E. A person who is not popular

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, C and D only
2. A, B and D only
3. A, C and E only
4. B, C and D only

एक "शमन" की पहचान कीजिए :

A. जादुई शक्ति वाला एक व्यक्ति
B. एक बुद्धिमान व्यक्ति
C. आध्यात्मिक शक्तियों को नियंत्रित करने वाला एक व्यक्ति
D. आध्यात्मिक शक्ति रखने वाला एक व्यक्ति
E. एक व्यक्ति, जो लोकप्रिय नहीं है

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, C और D
2. केवल A, B और D
3. केवल A, C और E
4. केवल B, C और D

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

95 62045

Key features of theism are..

A. Belief in spiritual being who is omnipotent
B. Belief in naturalism
C. Belief in omniscient God
D. Belief in supreme power
E. Belief in the inner soul

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B and D only
2. A, C and D only
3. A, B and E only
4. B, C and D only

ईश्वरवाद की मुख्य विशेषताएं हैं :

A. उस आध्यात्मिक सत्व में विश्वास, जो सर्वशक्तिमान है
B. प्रकृतिवाद में विश्वास
C. सर्वज्ञ ईश्वर में विश्वास
D. सर्वोच्च शक्ति में विश्वास
E. अंतर्रात्मा में विश्वास

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B और D
2. केवल A, C और D
3. केवल A, B और E
4. केवल B, C और D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

96 62046

Read the following statements and select the correct options.

A. Akal bunga is place of Akal
B. Akal bunga is building of Akalis
C. Akal bunga is salogan of Akalis
D. Akal bunga is was old name of Akal Takhat
E. Akal bunga is was foundeel by Guru Hargobind Sahib

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B, E only
2. A, D, E only
3. A, C, D only
4. A, B, C only

निम्नलिखित वक्तव्यों को पढ़ें एवं सही विकल्प का चयन कीजिए :

A. अकाल बुंगा अकालियों का एक स्थान है।
B. अकाल बुंगा अकालियों का एक भवन है।
C. अकाल बुंगा अकालियों का एक नारा है।
D. अकाल बुंगा अकालतख्त का पुराना नाम है।
E. गुरु हरगोविंद साहिब ने अकालबुंगा की स्थपना की थी।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B, E
2. केवल A, D, E
3. केवल A, C, D
4. केवल A, B, C

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

97 62047

Identify the main features of the 'phenomenology of religion'.

A. Epoche making
B. Chronological understanding
C. Classification of data
D. Comparative understanding
E. Theological understanding

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B and D only
2. C, D and E only
3. B, C and D only
4. A, C and D only

धर्म के 'दृश्य प्रपंच शास्त्र' की मुख्य विशेषताओं की पहचान कीजिए:

A. युग-प्रवर्तक
B. कालक्रमिक समझ
C. डेटा का वर्गीकरण
D. तुलनात्मक समझ
E. धर्म मीमांसीय समझ

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B और D
2. केवल C, D और E
3. केवल B, C और D
4. केवल A, C और D

			A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4

Objective Question

98	62048	Cosmological arguments for the existence of God are: A. Everything that begins to exist has a cause of its existence B. God has no cause of existence C. The universe began to exists D. God has a cause for its existence E. We do not know the cause of existence Choose the most appropriate answer from the options given below: 1. A, B and D only 2. B, C and E only 3. A, C and E only 4. A, C and D only ईश्वर के अस्तित्व के बारे में सृष्टि-कारण युक्तियाँ हैं : A. जो कोई भी अस्तित्व के लिए प्रारम्भ होता है, उसके अस्तित्व का एक कारण होता है। B. ईश्वर के अस्तित्व का कोई कारण नहीं है। C. ब्रह्माण्ड का अस्तित्व प्रारम्भ हुआ। D. ईश्वर के अस्तित्व का एक कारण है। E. हम अस्तित्व के कारण के बारे में नहीं जानते। नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए : 1. केवल A, B और D 2. केवल B, C और E 3. केवल A, C और E 4. केवल A, C और D A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4

Objective Question

99	62049	

Read the following statements:

A. The 'Purusha' element is philosophical reality in the Nyaya system
B. The number of 'Parvan' in the Mahabharata is eighteen
C. The Aranyaka text is available Tika on the Atharva Veda
D. 'Swadhya mapramadah' suki referred in the Taittiriyopanishad
E. The Skand Puran is the biggest text in the Purana

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B and D only
2. B, C and E only
3. A, B and C only
4. B, D and E only

निम्नलिखित कथनों को पढ़िए :

A. पुरुष तत्व न्याय पद्धति में दार्शनिक यथार्थता है।
B. महाभारत में पर्वों की संख्या 18 है।
C. आरण्यक ग्रन्थ अथर्वेद पर टीका है।
D. तैत्तिरियोपनिषद् में स्वध्यायान् मा प्रमद:सूक्ति का संदर्भ दिया गया है।
E. पुराण में स्कंध पुराण सबसे बड़ा ग्रंथ है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B और D
2. केवल B, C और D
3. केवल A, B और C
4. केवल A, D और E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

100 62050

Read the following statement:

A. 'Brihadāraṇyakopaniṣhad' is the smallest text in the Upanishadas
B. 'Shatapatha Brāhmaṇa' is the basic commentary of Yojurveda
C. 'Pratyabhigyā Darśana' is the other name of kashmir shavism
D. Kabīra dāsa was not associated with Bhakti movement
E. Rāmakṛṣṇa Mission was founded in 1897-1898 CE

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B and C only
2. A, C and D only
3. B, C and E only
4. B, D and E only

निम्नलिखित कथनों को पढ़िए

A. 'बृहदारण्यकोनिषद्' उपनिषदों में सबसे लघु ग्रन्थ है।
B. 'शतपथ ब्राह्मण' यजुर्वेद की मूल टीका है।
C. 'प्रत्यभिज्ञा दर्शन' कश्मीर के शैवावाद का अन्य नाम है।
D. कबीरदास भक्ति आंदोलन से संबंद्ध नहीं थे।
E. रामकृष्ण मिशन की 1897-98 ई. में स्थापना की गई थी।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B और C
2. केवल A, C और D
3. केवल B, C और E
4. केवल B, D और E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

101 62051

Identify the correct statement as according to Jainism.

A. The composition of Śivārya is mūlācāra.
B. Kāyotsarga is included in Āvaśyaka duties of Monks
C. Seven Elements
D. Four types of Charity
E. Mohanīya karma is divided into nine parts

Choose the correct answer from the options given below:

1. B, C and D only
2. C,D and E only
3. B and E only
4. A and D only

जैन धर्म के अनुसार सही कथन चुनिए:

A. मूलाचार शिवार्य की रचना है।
B. कायोत्सर्ग श्रमणों के आवश्यक कर्तव्यों में शामिल है।
C. सात तत्व
D. चार प्रकार के दान
E. मोहनीय कर्म नौ भागों विभक्त हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल B, C और D
2. केवल C, D और E
3. केवल B और E
4. केवल A और D

A1 : 1

			1
		A2 :	2
			2
		A3 :	3
			3
		A4 :	4
			4

Objective Question

102	62052	These are included in Ghati Karma- A. Nāma Karma B. Vedanīya Karma C. Darśanāvaraṇa Karma D. Mohanīya Karma E. Gotra Karma Choose the correct answer from the options given below: 1. A and B only 2. C and D only 3. B, D and E only 4. A, C and E only घाति कर्म में ये शामिल हैं : A. वेदनीय कर्म B. दर्शनावरण कर्म C. मोहनीय कर्म D. गोत्र कर्म नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए: 1. केवल A और B 2. केवल C और D 3. केवल B, D और E 4. केवल A, C और E

		A1 :	1
			1
		A2 :	2
			2
		A3 :	3
			3
		A4 :	4
			4

Objective Question

103	62053	

This daily activities of Jainism has more impact on the development of the society:

A. Collection of religious books
B. Decorating Jain monuments
C. Collecting money in temples
D. Preservation of non-violence by vegetarianism
E. Four kinds of Charity

Choose the correct answer from the options given below:

1. A and B only
2. B and C only
3. C and D only
4. D and E only

जैन धर्म की यह दैनिक प्रवृत्ति समाज के विकास हेतु अधिक प्रभावशाली है :

A. धार्मिक पुस्तकों का संग्रह
B. जैन स्मारकों का अलंकरण
C. मंदिरों में धन संग्रह करना
D. शाकाहार द्वारा अहिंसा का संरक्षण
E. चार प्रकार के दान

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A और B
2. केवल B और C
3. केवल C और D
4. केवल D और E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

104 62054

After Buddha, the Mahakassapa rose to prominence in the newly orphaned Sangha. There were many factors that contributed to his achievement

A. He shared with Buddha seven of thirty-two marks of great men
B. He was devoid of six super normal knowledge's (abhijñā)
C. He had been praised by the master for his meditative attainments and realizations
D. He had still to attained mastery over the nine meditative absorptions
E. He had attained Arhatship

Choose the correct answer from the options given below::

1. A, B and D only
2. A,. C and E only
3. D and E only
4. A, B and E only

बुद्ध की मृत्यु के पश्चात नए-नए अनाथ हुए संघ में महाकश्यप को अत्यंत महत्ता प्राप्त हुई। उसकी इस उपलब्धि में योगदान देने वाले बहुत से कारक थे :

A. बुद्ध के महापुरुषों वाले- बत्तीस लक्षणों में से सात लक्षण उनमें भी थे।
B. वे छह अभिज्ञा से रहित थे।
C. उन्हें बुद्ध द्वारा अपनी चिन्ताशील उपलब्धियों एवं साक्षात्कार हेतु प्रशंसित किया था।
D. उन्होंने नौ चिंतनशील आत्म साक्षात्कार पर महारत प्राप्त की थी।
E. उन्होंने अर्हत्व प्राप्त कर लिया था।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और D
2. केवल A, C और E
3. केवल D और E
4. केवल A, B और E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

105 62055

According to Ambedkar these are not a part of Dhamma

A. Belief in soul
B. Belief in cleansing the mind and its impurities
C. Belief in the dhamma when it teaches that mere learning is not enough
D. Belief in Supernatural
E. Belief in Sacrifice

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. A, C and D only
2. B, C and E only
3. A, D and E only
4. B, D and E only

अंबेडकर के अनुसार ये धम्म के भाग नहीं हैं :

A. आत्मा में विश्वास
B. मन एवं उसकी अशुद्धियों का परिमार्जन
C. धम्म में विश्वास जब यह सिखाता है कि केवल अधिगम ही पर्याप्त नहीं है
D. आधिदैविक में विश्वास
E. बलि कर्म में विश्वास
नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, C और D
2. केवल B, C और E
3. केवल A, D और E
4. केवल B, D और E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

106 62056 Identify the main festival of Judaism

A. Sabbath
B. Yom kippur
C. Feast to Tabernacles
D. Passover
E. Oṇam

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B, C and D only
2. B, C, D and E only
3. A, C, D and E only
4. A, B, D and E only

यहूदी धर्म के प्रमुख त्योहारों को चिह्नित कीजिए :

A. सब्बथ
B. योम किप्पूर
C. फ़ीस्ट ऑफ़ टैबरनैकल्स (मंडपों का पर्व)
D. पास ओवर (ईस्टर)
E. ओणम

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B, C और D
2. केवल B, C, D और E
3. केवल A, C, D और E
4. केवल A, B, D और E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

107 62057

Identify the Symbols of Judaism.

A. The Menorah
B. The cycle of life
C. The Magen David
D. Wearing of the Hat
E. Wearing five 'K's

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B and D only
2. A, C and D only
3. A, C and E only
4. A, B and E only

यहूदी धर्म के प्रतीकों को चिह्नित कीजिए :

A. द मेनोरा
B. जीवन चक्र (द साइकिल ऑफ़ लाइफ)
C. द मैगेन डेविड
D. टोप (हैट) पहनना
E. पंच ककार (K5) धारण करना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:।

1. केवल A, B और D
2. केवल A, C और D
3. केवल A, C और E
4. केवल A, B और E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

108 62058

Names of the Jewish clothing and prayer garments are.

A. Tallit
B. Cassock
C. Kippah
D. Kittel
E. Dhoti

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, C and D only
2. A, B and D only
3. A, B and C only
4. A, D and E only

यहूदी पहनावे और प्रार्थना वस्त्रों के नाम हैं:

A. तल्लित
B. केस्सक
C. किप्पा
D. कित्तेल
E. धोती

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, C और D
2. केवल A, B और D
3. केवल A, B और C
4. केवल A, D और E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

109 62059 Identify the Indian Christian Saints from the following.

A. St. Peter
B. St. Paul
C. St. Alphonsā
D. St. Kuriakos Chavara
E. St. Jacob

Choose the correct answer from the options given below:

1. A and B only
2. B and C only
3. C and D only
4. C and E only

निम्नलिखित में से भारतीय ईसाई संतों को चिह्नित कीजिए:

A. सेंट पीटर
B. सेंट पॉल
C. सेंट अल्फोन्सा
D. सेंट कुर्यिकोस चवर
E. सेंट जैकब

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A और B
2. केवल B और C
3. केवल C और D
4. केवल C और E

A1 : 1

1

			A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4

Objective Question

110	62060	Identify the names of the sons of Noah as in the book of Genesis. A. Manasseh B. Shem C. Ham D. Japheth E. Ephraim Choose the correct answer from the options given below: 1. A, B and C only 2. B, C and D only 3. C, D and E only 4. A, D and E only जेनेसिस ग्रन्थ (बुक ऑफ़ जेनेसिस) के अनुसार नूह के पुत्रों के नाम चिह्नित कीजिए: A. मनास्सेह B. शेम C. हम D. जफेथ E. इफ्रैम नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए: 1. केवल A, B और 2. केवल B, C और D 3. केवल C, D और E 4. केवल A, D और E A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4

Objective Question

111	62061	

Read the following and chose the correct answer.

A. Ibm Arabi was born in Tunis
B. Ibm Rushd was born in Murcia
C. Abul Qasim al-zahrawi was one of the greatest surgeons of
D. Al-Bakri was one of the earliest Hispano-Arab Geographer
E. The most important astronomical work that has survived from the pre-Islamic era was Zij-i-shahi

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. C, D and E only
2. A, B and C only
3. B, C and D only
4. A, B and E only

निम्नलिखित को पढ़िए और सही उत्तर चुनिए :

A. इब्न अरबी का जन्म ट्युनिस में हुआ था।
B. इब्न रूस्द का जन्म मुरसिया में हुआ था।
C. अबुल-कासिम अल-जहरावी अरब के एक महान शल्यचिकित्सक थे।
D. अल-बाकरी आरंभिक स्पेनी- अरब भूगोल वेत्ता थे।
E. जिज-ए-शाही नामक एक सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण खगोलीय कृति पूर्व-इस्लामिक काल से विद्यमान रही है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल C, D और E
2. केवल A, B और C
3. केवल B, C और D
4. केवल A, B और E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

112 62062

Assess the validity of the following statements:

A. "al-Mufaddaliyat" formed part of the famous 'Seven odes'
B. The term 'Jahiliyya' Usualy denotes time of ignorance or barbarism
C. The history of tyhe Beduins is in the main is a record of guerilla wars called 'Ayyam al-Arab
D. The pre-Islamic Beduin religion was basically monotheistic for forty yeras
E. It is believed that the famous war "Harb-al-Basus" was carried on for forty years.

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. A, B and C only
2. B, C and E only
3. B, C and D only
4. C, D and E only

निम्नलिखित कथनों की वैधता निर्धारित कीजिए :

A. 'अल मुफाद्देलियत' प्रसिद्द सेवेन ओड्स के भाग को निर्मित किया
B. 'जाहिलिया' शब्द सामन्यतया उपेक्षा अथवा बर्बरता के समय को निर्दिष्ट करता है
C. बेदुइन्स का इतिहास मुख्यतया गोरिल्ला युद्धों का एक वृत्तांत है जिसे अय्याम अल-अरब नाम से जाना जाता है
D. पूर्व-इस्लामिक काल को बेदुइन धर्म मुख्यतया एकेश्वरवादी था
E. ऐसा विश्वास किया जाता है कि प्रसिद्ध 'हर्ब अल-बसूस' का युद्ध चालीस वर्षों तक लड़ा गया
नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और C
2. केवल B, C और E
3. केवल B, C और D
4. केवल C, D और E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

113 62063

Identify the correct statements from the following.

A. Gurmukhi is the sscript of Punjab
B. Gurmukhi was invented by Guru Nanak Dev Ji
C. Gurmukhi is the script of Sri Guru Granth Sahib
D. Gurmukhi is used in the tenth Mandala of Rgveda
E. Gurmukhi was standardized by Guru Angad Dev Ji

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. A, C and E only
2. A, B and D only
3. C, D And E only
4. A, C and D only

निम्नलिखित में से सही वक्तव्यों की पहचान कीजिए :

A. गुरुमुखी पंजाबी की लिपि है।
B. गुरुमुखी का आविष्कार गुरु नानक देव जी ने किया था।
C. गुरुमुखी "गुरु ग्रंथ साहिब" की लिपि है।
D. गुरुमुखी ऋग्वेद के 10वें मंडल में प्रयुक्त है।
E. गुरु अंगद देव जी ने गुरुमुखी का मानकीकरण किया था।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, C और E
2. केवल A, B और D
3. केवल C, D और E
4. केवल A, C और D

A1 : 1

			1
		A2 :	2
			2
		A3 :	3
			3
		A4 :	4
			4

Objective Question

114	62064	Identify the following of Jap Ji bani. A. Jaþ Ji is the first bani of Sri Guru Granth Sahib B. Jaþ Ji is based on Raja Asa C. Jaþ Ji has 38 paurhis (stanzas) D. Jaþ Ji has 3 saloks E. Jaþ ji tells about five khands (stages) Choose the correct answer from the options given below: 1. A, C, E only 2. A, B, C only 3. A, B, D only 4. B, C, D only जप जी वाणी की विशेषताओं को पहचानिए : A. जप जी वाणी श्री गुरु ग्रन्थ साहिब की प्रथम वाणी है। B. जप जी राग आसा पर आधारित है। C. जप जी में 38 अनुच्छेद (पौड़ी) हैं D. जप जी में 3 श्लोक हैं। E. जप जी पाँच खंडों के बारे में बताता है। नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए: 1. केवल A, C, E 2. केवल A, B, C 3. केवल A, B, D 4. केवल B, C, D A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4

Objective Question

115	62065	

The main features of langar are:

A. Guru Nanak set-up langar at Kartarpur
B. Langer has only aim to serve food. It is not for spiritually
C. Langer is not common for all
D. Langer is a fundamental institution of Sikhism
E. Guru Amardas has developed the institution of langar

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. A, B, E only
2. A, D, E only
3. A, C, D only
4. C, D, E only

लंगर की मुख्य विशेषताएं कौन सी हैं?

A. गुरु नानक ने करतारपुर में प्रथम लंगर प्रारम्भ किया।
B. लंगर का मात्र उद्देश्य भोजन प्रदान करना था, इसका कोई आध्यात्मिक प्रयोजन नहीं था।
C. लंगर सभी के लिए नहीं है।
D. लंगर सिख धर्म की मूलभूत संस्था है।
E. गुरु अमरदास ने लंगर संस्था को विकसित किया।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B, E
2. केवल A, D, E
3. केवल A, C, D
4. केवल C, D, E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

116 62066

Match List I with List II

LIST I Title of Book		LIST II Name of Author	
A.	Primitive Culture	I.	Mircea Eliade
B.	Eight Theories of Religion	II.	Daniel L. Pals
C.	Patterns in Comparative Religion	III.	E. B. Tylor
D.	God and The Universe of faiths	IV.	John Hick

Choose the correct answer from the options given below:

1. A- III, B-II, C-I, D-IV
2. A- II, B-I, C-III, D-IV
3. A- I, B-III, C-IV, D-II
4. A- IV, B-II, C-III, D-I

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I (पुस्तक का शीर्षक)		सूची II (लेखक का नाम)	
A.	प्रिमिटिव कल्चर	I.	मर्सिया इलियाड
B.	एट थियरीज ऑफ़ रिलिजन	II.	डेनियल एल. पाल्स
C.	पैटर्न्स इन कम्परेटिव रिलीजन	III.	ई. बी. टेलर
D.	गाड एंड द यूनिवर्स ऑफ़ फेथ्स	IV.	जॉन हिक्

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A- III, B-II, C-I, D-IV
2. A- II, B-I, C-III, D-IV
3. A- I, B-III, C-IV, D-II
4. A- IV, B-II, C-III, D-I

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

117 62067

Match List I with List II

LIST I Theory proposed		LIST II Thinker	
A.	Magic	I.	E. B. Tylor
B.	Animism	II.	Emile Dukheim
C.	Totem	III.	Mircea Eliade
D.	Hermeneutics of sacred	IV.	J. G. Frazer

Choose the correct answer from the options given below:

1. A- II, B-I, C-III, D-IV
2. A- IV, B-I, C-II, D-III
3. A- I, B-IV, C-II, D-III
4. A- IV, B-II, C-I, D-III

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I (प्रतिपादित सिद्धांत)		सूची II (विचारक)	
A.	जादू	I.	ई. बी. टेलर
B.	जीववाद	II.	इमाइल दुर्खीम
C.	टोटेम	III.	मार्सिया इलियाड
D.	पवित्र शास्त्रार्थ मीमांसा	IV.	जे. जी. फ्रेजर

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A- II, B-I, C-III, D-IV
2. A- IV, B-I, C-II, D-III
3. A- I, B-IV, C-II, D-III
4. A- IV, B-II, C-I, D-III

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

118 62068

Match List I with List II

LIST I Idea		LIST II Thinker	
A.	Religion is a belief in spirits	I.	Karl Marx
B.	Religion is a belief in magic	II.	E. B. Tylor
C.	Religion is opium for the people	III.	J. G. Frazer
D.	Religion is belief in totem	IV.	E. Durkheim

Choose the correct answer from the options given below:

1. A- II, B-III, C-I, D-IV
2. A- I, B-II, C-III, D-IV
3. A- III, B-I, C-II, D-IV
4. A- IV, B-III, C-I, D-II

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I (विचार)		सूची II (विचारक)	
A.	धर्म आत्मा (स्पिरिट्स) में विश्वास है	I.	कार्ल मार्क्स
B.	धर्म जादू में विश्वास है	II.	ई. बी. टेलर
C.	धर्म लोगों के लिए अफीम है	III.	जे. जी. फ्रेजर
D.	धर्म टोटेम में विश्वास	IV.	ई. दुर्खीम

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A- II, B-III, C-I, D-IV
2. A- I, B-II, C-III, D-IV
3. A- III, B-I, C-II, D-IV
4. A- IV, B-III, C-I, D-II

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

119 62069

Match List I with List II

LIST I (Saying/Organisation/ Theory/ Proposed/ Chara cteristic, etc.)		LIST II (Book/ Thinker/)	
A.	Tattvamasi	I.	Mahādeva Govind Ranāde
B.	Nyāyasūtra	II.	Rāmānuja
C.	Prārthanā Samāj	III.	Chhāndogyopaniṣad
D.	Viśiṣṭādvaita	IV.	Gautama Akṣapāda

Choose the correct answer from the options given below:

1. A- III, B-IV, C-I, D-II
2. A- I, B-II, C-IV, D-III
3. A- II, B-I, C-III, D-III
4. A- IV, B-III, C-II, D-I

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I (उक्ति /संगठन / प्रस्तावित सिद्धांत / विशेषताएं)		सूची II (पुस्तक / विचारक)	
A.	तत्त्वमसि	I.	महादेव गोविन्द रानाडे
B.	न्याय सूत्र	II.	रामानुज
C.	प्रार्थना समाज	III.	छान्दोग्योपनिषद्
D.	विशिष्टाद्वैत	IV.	गौतम अक्षपाद

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A- III, B-IV, C-I, D-II
2. A- I, B-II, C-IV, D-III
3. A- II, B-I, C-III, D-III
4. A- IV, B-III, C-II, D-I

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

120 62070

Match List I with List II

LIST I (Book/ Theory etc)		LIST II Proposed / Characteristic, (Author/Thinker/ NAme of Theory, etc)	
A.	Substance	I.	Fourteen
B.	Astikāya	II.	Two
C.	Ākāśa	III.	Six
D.	Jīvasamāsa	IV.	Five

Choose the correct answer from the options given below:

1. A- II, B-III, C-IV, D-I
2. A- II, B-III, C-I, D-IV
3. A- III, B-IV, C-II, D-I
4. A- IV, B-III, C-II, D-I

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I (पुस्तक / प्रस्तावित सिद्धांत / विशेषताएं)		सूची II (लेखक / विचारक / सिद्धांत का नाम आदि)	
A.	द्रव्य	I.	चौदह
B.	अस्तिकाय	II.	दो
C.	आकाश	III.	छह
D.	जीव समास	IV.	पाँच

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A- II, B-III, C-IV, D-I
2. A- II, B-III, C-I, D-IV
3. A- III, B-IV, C-II, D-I
4. A- IV, B-III, C-II, D-I

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

121 62071

Match List I with List II

LIST I (Tibetan Sects)		LIST II Buddhist (Propagator/ Personalistes)	
A.	Nying ma	I.	Tilopā
B.	Karagyud	II.	Knochog Gyālpo
C.	Sakya	III.	Pemā Jung-Ne
D.	Gelug	IV.	Tsong Kha Pa

Choose the correct answer from the options given below:

1. A- I, B-III, C-II, D-IV
2. A- IV, B-III, C-II, D-I
3. A- III, B-I, C-II, D-IV
4. A- I, B-V, C-III, D-I

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I (तिब्बती संप्रदाय)		सूची II (बौद्ध प्रचारक / व्यक्तित्व)	
A.	जोङ-मा	I.	तिलोपा
B.	कार्ग्युद	II.	कोन्छोग ग्याल्पो
C.	शाक्य	III.	पेमा जुंङ-ने
D.	गेलुग	IV.	त्सोङ खा पा

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A- I, B-III, C-II, D-IV
2. A- IV, B-III, C-II, D-I
3. A- III, B-I, C-II, D-IV
4. A- I, B-V, C-III, D-I

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

122 62072

Match List I with List II

LIST I (Book/ Theory proposed/ Characteristic, etc.)		LIST II (Author/ Thinker/ Name of theory, etc)	
A.	Leviticus	I.	The Prophets (Navi im)
B.	Joshua	II.	The Torah
C.	Mathew	III.	The writings (Kethuvim)
D.	Book of Esther	IV.	The Gospels

Choose the correct answer from the options given below:

1. A- II, B-I, C-IV, D-III
2. A- I, B-II, C-III, D-IV
3. A- IV, B-III, C-II, D-I
4. A- III, B-IV, C-I, D-II

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I (पुस्तक / प्रस्तावित सिद्धांत / विशेषताएं आदि)		सूची II (लेखक / विचारक / सिद्धांत का नाम आदि)	
A.	लेविटिकस	I.	पैगम्बर (नबी)
B.	जोशुआ	II.	तोरा
C.	सेंट मैथ्यू	III.	ग्रन्थ (केथुविम)
D.	बुक ऑफ़ एस्थर	IV.	द गोस्पेल

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A- II, B-I, C-IV, D-III
2. A- I, B-II, C-III, D-IV
3. A- IV, B-III, C-II, D-I
4. A- III, B-IV, C-I, D-II

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

123 62073

Match List I with List II

LIST I Ecumenical Council		LIST II Associated Personalities	
A.	Council of Nicaea	I.	Justinian
B.	First council of Constantinople	II.	Theodosius II
C.	Council of Ephesus	III.	Theodosius I
D.	Second council of Constatinople	IV.	Constantine

Choose the correct answer from the options given below:

1. A- IV, B-III, C-II, D-I
2. A- I, B-II, C-III, D-IV
3. A- II, B-III, C-IV, D-I
4. A- III, B-IV, C-I, D-II

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I (सार्वभौम परिषद्)		सूची II (संबद्ध व्यक्ति)	
A.	निसिया परिषद्	I.	जस्टीनियन
B.	कुस्तुन्तुनिया की प्रथम परिषद्	II.	थियोडोसियस II
C.	इफेसस परिषद्	III.	थियोडोसियस I
D.	कुस्तुन्तुनिया की द्वितीय परिषद्	IV.	कोन्स्टैंटाइन

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A- IV, B-III, C-II, D-I
2. A- I, B-II, C-III, D-IV
3. A- II, B-III, C-IV, D-I
4. A- III, B-IV, C-I, D-II

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

124 62074

Match List I with List II

LIST I		LIST II	
A.	The Prophets Mosque	I.	Makkah
B.	Capital of Umayyads	II.	Baghdad
C.	Ka'ba	III.	Madihne
D.	Capital of Abbasids	IV.	Damascus

Choose the correct answer from the options given below:

1. A- I, B-II, C-III, D-IV
2. A- III, B-IV, C-I, D-II
3. A- I, B-III, C-II, D-IV
4. A- I, B-IV, C-III, D-II

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I		सूची II	
A.	पैगम्बर मस्जिद	I.	मक्का
B.	उमय्यदों की राजधानी	II.	बग़दाद
C.	काबा	III.	मदीना
D.	अब्बासियों की राजधानी	IV.	दमिश्क

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A- I, B-II, C-III, D-IV
2. A- III, B-IV, C-I, D-II
3. A- I, B-III, C-II, D-IV
4. A- I, B-IV, C-III, D-II

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

125 62075

Match List I with List II

LIST I		LIST II	
A.	Nankana Sahib	I.	Guru Tegh Bahadur Ji
B.	Amritsar Sahib	II.	Guru Gobind Singh Ji
C.	Patna Sahib	III.	Guru Arjan Dev Ji
D.	Goindwal Sahib	IV.	Guru Nanak Dev Ji

Choose the correct answer from the options given below:

1. A- I, B-II, C-IV, D-III
2. A- IV, B-I, C-II, D-III
3. A- I, B-III, C-IV, D-II
4. A- I, B-III, C-II, D-IV

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I (जन्म स्थान)		सूची II (गुरु)	
A.	ननकाना साहिब	I.	गुरु तेग बहादुर जी
B.	अमृतसर साहिब	II.	गुरु गोबिन्द सिंह जी
C.	पटना साहिब	III.	गुरु अर्जन देव जी
D.	गोइन्दवाल साहिब	IV.	गुरु नानक देव जी

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A- I, B-II, C-IV, D-III
2. A- IV, B-I, C-II, D-III
3. A- I, B-III, C-IV, D-II
4. A- I, B-III, C-II, D-IV

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

126 62076

Arrange the following religious tradition in chronological order (earlier to later)

A. Islam
B. Christianity
C. Sikhism
D. Judaism
E. Baha'i religion

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, C, B, D, E
2. D, B, A, C, E
3. C, E, A, B, D
4. D, E, A, B, C

निम्नलिखित धार्मिक परम्पराओं को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए (पहले से बाद के क्रम में)

A. इस्लाम
B. ईसाई धर्म
C. सिख धर्म
D. यहूदी धर्म
E. बहाई धर्म

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, C, B, D, E
2. D, B, A, C, E
3. C, E, A, B, D
4. D, E, A, B, C

A1 : 1

			1
		A2 :	2
			2
		A3 :	3
			3
		A4 :	4
			4

Objective Question

127	62077	Identify the chronological order of philosophers (earlier to later) A. Plato B. Socrates C. Pythagoras D. Aristotle E. Saint Thomas Acuinas Choose the correct answer from the options given below: 1. A, B, E, D, C 2. B, C, E, D, A 3. E, B, C, A, D 4. C, B, A, D, E निम्नलिखित दार्शनिकों की कालक्रमानुसार पहचान कीजिए : A. प्लेटो B. सुकरात C. पाइथोगोरस D. अरस्तू E. सेंट थॉमस एक्वीनस नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए : 1. A, B, E, D, C 2. B, C, E, D, A 3. E, B, C, A, D 4. C, B, A, D, E
		A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4

Objective Question

128	62078	

Choose the correct chronological order of the trends in religion from pre-modern to postmodern.

A. Mānā
B. Polytheism
C. Monotheism
D. Pluralism
E. Secularism

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B, C, D, E
2. A, B, C, E, D
3. A, B, D, C, E
4. A, C, B, D, E

धर्म में पूर्व-आधुनिक से उत्तर-आधुनिक तक की प्रवृत्तियों के सही कालक्रम को चुनिए :

A. माना
B. बहुदेववाद
C. एकेश्वरवाद
D. बहुत्ववाद
E. धर्म निरपेक्षता

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, B, C, D, E
2. A, B, C, E, D
3. A, B, D, C, E
4. A, C, B, D, E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

129 62079

Arrange the following in chronological order from earlier to later:

A. Sānkhyakārikā
B. Satyārtha Prakāśa
C. Atharvaveda
D. Śankarabhāşya

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, D, B, C
2. B, C, A, D
3. C, A, D, B
4. D, B, C, A

निम्नलिखित को प्रारम्भिक से अंतिम तक कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए :

A. सांख्यकारिका
B. सत्यार्थ प्रकाश
C. अथर्ववेद
D. शंकरभाष्य

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, D, B, C
2. B, C, A, D
3. C, A, D, B
4. D, B, C, A

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

130 62080

Arrange the following Jain Arts Centres as situated from North to South.

A. Jain Arts of Khajurāho
B. Jain Cave of Ajanta-Ellora
C. Kankālī ṭilā
D. Development of Jain Arts by Hoysala dynasty

Choose the correct answer from the options given below:

1. C, A, B, D
2. C, B, D, A
3. C, A, D, B
4. B, C, D, A

निम्नलिखित अवस्थित जैन कला केन्द्रों को उत्तर से दक्षिण की ओर तक बढ़ते क्रम में व्यवस्थित कीजिए:

A. खजुराहो की जैन कला
B. अजन्ता-एलोरा की जैन गुफा
C. कंकाली टीला
D. होयसल वंश द्वारा जैन कला का विकास

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. C, A, B, D
2. C, B, D, A
3. C, A, D, B
4. B, C, D, A

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

131 62081

Arrange the name of Indian Scholars in their chronological order of their arrival in Tibet (Earlier to Later).

A. Śāntaraksita
B. Atiśa Dipānkara Srigyāna
C. Sharat Chandra Dass
D. Kamalaśīla
E. Padmasambhava

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, E, D, B, C
2. A, C, E, B, D
3. B, A, D, C, E
4. B, C, D, A, E

तिब्बत में निम्नलिखित भारतीय विद्वानों के आगमन को काल क्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए (प्रारम्भिक से अंतिम तक) :

A. शान्तरक्षित
B. अतिशदीपांकर श्रीज्ञान
C. शरत् चन्द्र दास
D. कमलशील
E. पद्मसंभव

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, E, D, B, C
2. A, C, E, B, D
3. B, A, D, C, E
4. B, C, D, A, E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

132 62082

Identify the correct Sequence of books in the Prophets (Nevi'im).

A. Joshua
B. Judges
C. Ezekiel
D. Jeremiah
E. Isaiah

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B, E, D, C
2. B, C, D, E, A
3. A, B, C, D, E
4. D, E, A, B, C

पैगम्बर (नबीवाद) पर पुस्तकों को सही क्रम की पहचान कीजिए:

A. जोशुआ
B. जजेज
C. इजेकिइल
D. जेकेमिआह
E. इसैआह

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, B, E, D, C
2. B, C, D, E, A
3. A, B, C, D, E
4. D, E, A, B, C

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

133 62083

Arrange the ecumenical council according to the chronological order (from earlier to later).

A. Second council of Constantinople
B. Council of Chalcedon
C. Council of Ephesus
D. First council of Constantinople
E. Council of Nicea

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B, C, D, E
2. B, C, D, E, A
3. C, D, E, A, B
4. E, D, C, B, A

निम्नलिखित एक्यूमेनिकल कउंसिल्स को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए:

A. कौन्स्टेन्टिनोपल की सेकेंड काउन्सिल
B. काउन्सिल ऑफ चैल्सेडोन
C. काउन्सिल ऑफ इफेसस
D. फर्स्ट काउन्सिलऑफ कौन्स्टेन्टिनोपल
E. काउन्सिल ऑफ निसिया

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, B, C, D, E
2. B, C, D, E, A
3. C, D, E, A, B
4. E, D, C, B, A

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

134 62084

Arrange the following philosopher in chorological order (from earlier to later).

A. Ibn Sina
B. Al-Rozī
C. Nasir al-Din al-Tusi
D. Al-kindi
E. Ibn Rushd

Choose the correct answer from the options given below:

1. D, B, A, E, C
2. A, B, C, D, E
3. E, D, C, B, A
4. D, A, E, C, B

निम्नलिखित दार्शनिकों को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए:

A. इब्न सिना
B. अल-रोज़ी
C. नासिर अल-दीनअल-तुसी
D. अल-किन्डी
E. इब्न रूश्द

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. D, B, A, E, C
2. A, B, C, D, E
3. E, D, C, B, A
4. D, A, E, C, B

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

135 62085

Arrange the following institutions as per the development of Sikh Parth (from earlier to later).

A. Gurudwārā
B. Manji system
C. Gurmātā
D. Akāl Takhat Sahib
E. Ādi Granth

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B, D, E, C
2. A, B, E, D, C
3. A, B, E, C, D
4. A, E, B, C, D

सिख पंथ के विकास के अनुसार निम्नलिखित संस्थाओं को व्यवस्थित कीजिए : (प्रारम्भिक से अंतिम के क्रम में)

A. गुरुद्वारा
B. मंजी प्रणाली
C. गुरुमाता
D. अकाल तख़्त साहिब
E. आदि ग्रन्थ

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, B, D, E, C
2. A, B, E, D, C
3. A, B, E, C, D
4. A, E, B, C, D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

136 62086

Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R

Assertion A: The relation between Religion and society is inherent nature (Samavāya Sambandha)

Reason R: Religious is preserved, developed and nurtured by society.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

1. Both A and R are correct and R is the correct explanation of A
2. Both A and R are correct but R NOT the correct explanation of A
3. A is correct but R is not correct
4. A is not correct but R is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (Assertion A) के रुप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R)के रुप में

अभिकथन A: समाज और धर्म में समवाय सम्बन्ध है।

कारण R: समाज धर्म को संरक्षित, संवर्धित एवं पोषित करता है।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. A और R दोनों सहीं हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सहीं हैं और R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सही है लेकिन R सही नहीं है
4. A सही नहीं है लेकिन R सही है

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

137 62087

Given below are two statements:

Statement I: According to the Darwin's evolutionary theory the study of development of mankind and their social behaviour is undertake

Statement II: Regarding the origin of religion the evolutionary theory consider it the most scientific one

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are correct
2. Both Statement I and Statement II are incorrect
3. Statement I is correct but Statement II is incorrect
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (Assertion A) के रुप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R)के रुप में

अभिकथन A: डार्विन के विकासवाद में मूलत: मानव के विकास और सामाजिक व्यवहार का अध्ययन होता है।

कारण R: धर्म की उत्पत्ति के बारे में विकासवाद का सिद्धांत पूर्णत: वैज्ञानिक है।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. A और R दोनों सहीं हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सहीं हैं और R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सही है लेकिन R सही नहीं है
4. A सही नहीं है लेकिन R सही है

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

138 62088

Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R

Assertion A: The destruction of entire karma is liberation

Reason R: Salvation is possible only through the practice of penance

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options Given below:

1. Both A and R are correct and R is the correct explanation of A
2. Both A and R are correct but R NOT the correct explanation of A
3. A is correct but R is not correct
4. A is not correct but R is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन I: सम्पूर्ण कर्मों का क्षय हो जाना ही मुक्ति है।

कथन II: तपस्या की साधना मात्र के द्वारा ही मोक्ष की प्राप्ति संभव है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सही हैं
2. कथन I और II दोनों गलत हैं
3. कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है
4. कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

139 62089

Given below are two statements:

Statement I: God alone is the Creator in Judaism

Statement II: He is absolutely One

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are correct
2. Both Statement I and Statement II are incorrect
3. Statement I is correct but Statement II is incorrect
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R)के रूप में

अभिकथन A: यहूदी धर्म में ईश्वर स्वयं ही सृष्टिकर्ता है।

कारण R: वह निरपेक्ष रूप से एकमेव है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सही हैं
2. कथन I और II दोनों गलत हैं
3. कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है
4. कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

140 62090

Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R

Assertion A: The Religion of the Arabians, after Judaism and Christinity, is the third and latest monotheistic religion. History it is an offshoot of the other two

Reason R: All three are the product of one spiritual life, the Semitic life

1. Both A and R are correct and R is the correct explanation of A
2. Both A and R are correct but R NOT the correct explanation of A
3. A is correct but R is not correct
4. A is not correct but R is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (Assertion A) के रुप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R)के रुप में

अभिकथन A: यहूदी और ईसाई धर्म के बाद अरबों का तीसरा और अद्यतन धर्म एकेश्वरवाद है। ऐतिहासिक रूप से यह अन्य दोनों की एक प्रशाखा है।

कारण R: सभी तीनों एक आध्यात्मिक जीवन, सेमाइट जीवन की ही रचनाएँ हैं।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. A और R दोनों सहीं हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सहीं हैं और R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सही है लेकिन R सही नहीं है
4. A सही नहीं है लेकिन R सही है

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

141 62091

Read the given passage carefully and answer the questions number from 91 to 95.

Main Subject matter of the Vedas

The Vedas contain beautiful hymns addressed to various powers of nature such as the Sun, the Moon, the Ocean, the Rain, the Dawn, all pervaded by deep intuitive awareness of the essential unity and interconnectedness behind all these phenomena. Portions deal with the ritual worship of the early Aryans the Yajna revolving around the sacred fire which was looked upon as the intermediary between the human and the divine powers. These are also a fascinating array of medical prescriptions, specially in the Atharva Veda, and a great deal of other social material including hymns to matrimony and frienship, prayers for progeny, longevity, cattle and prosperity. Taken together they constitute a unique document of the religious consciousness of the human race, it was only in the middle of the nineteenth century that the great scholar Freidrich Max Muller brought out the first printed edition of the Rig-Veda.

These were addressed in the hymns of Vedas.

1. Tree, Rivers, Grounds and Mountains
2. Sun, Moon, Ocean, Rain and Dawn
3. Dharma, Artha, Kama and Moksha
4. Yama, Niyama, Asana and Prāṇāyāma

नीचे दिए गद्यांश को सावधानी पूर्वक पढ़ें और प्रश्न के उत्तर दें :-

वेदों के विषय वस्तु

वेदों में प्रकृति के विभिन्न शक्तियों से जुड़ी अर्थपूर्ण ऋचाएँ हैं, जैसे सूर्य, चन्द्र, सागर, वर्षा, ऊषा। ये सब अस्तित्वगत अखंडता और अंतर्संबद्धता के प्रति गहन चेतना से प्रेरित हैं। इनके कुछ अंश प्रारम्भिक अर्थों के धार्मिक कर्मकांडों और अग्नि के साथ यज्ञ से जुड़े हैं क्योंकि इन्हें मनुष्य और दैवी शक्तियों क जोड़ने वाला माना जाता है। कई चिकित्सकीय उपाय भी हैं- विशेषकर अथर्ववेद में। अन्य सामाजिक विषय भी हैं जैसे वैवाहिक मंत्रो, मैत्री, संतति, दीर्घायु,पशुधन और सम्पन्नता के लिए प्रार्थनाएं । समग्रत: वे मनुष्य की धार्मिक चेतना के अनूठे दस्तावेज हैं। किन्तु पहली बार ऋग्वेद का प्रथम संस्करण फ्रेडरिक मैक्स म्यूलर के प्रयासों से 19 वीं सदी के मध्य में ही सामने आ सका।

वेदों में इनकी चर्चा है -

1. वृक्ष, नदी, पृथ्वी और पर्वत
2. सूर्य, चन्द्र, सागर वर्षा और ऊषा
3. धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष
4. यम, नियम, आसन, प्राणायाम

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

142 62092

Read the given passage carefully and answer the questions number from 91 to 95.

Main Subject matter of the Vedas

The Vedas contain beautiful hymns addressed to various powers of nature such as the Sun, the Moon, the Ocean, the Rain, the Dawn, all pervaded by deep intuitive awareness of the essential unity and interconnectedness behind all these phenomena. Portions deal with the ritual worship of the early Aryans the Yajna revolving around the sacred fire which was looked upon as the intermediary between the human and the divine powers. These are also a fascinating array of medical prescriptions, specially in the Atharva Veda, and a great deal of other social material including hymns to matrimony and frienship, prayers for progeny, longevity, cattle and prosperity. Taken together they constitute a unique document of the religious consciousness of the human race, it was only in the middle of the nineteenth century that the great scholar Freidrich Max Muller brought out the first printed edition of the Rig-Veda.

According to the Vedas the link between the human and the divine was:

1. Yoga
2. Time
3. Space
4. Sacred Fire

नीचे दिए गद्यांश को सावधानी पूर्वक पढ़ें और प्रश्न के उत्तर दें :-

वेदों के विषय वस्तु

वेदों में प्रकृति के विभिन्न शक्तियों से जुड़ी अर्थपूर्ण ऋचाएँ हैं, जैसे सूर्य, चन्द्र, सागर, वर्षा, ऊषा। ये सब अस्तित्वगत अखंडता और अंतर्संबद्धता के प्रति गहन चेतना से प्रेरित हैं। इनके कुछ अंश प्रारम्भिक अर्थों के धार्मिक कर्मकांडों और अग्नि के साथ यज्ञ से जुड़े हैं क्योंकि इन्हें मनुष्य और दैवी शक्तियों क जोड़ने वाला माना जाता है। कई चिकित्सकीय उपाय भी हैं- विशेषकर अथर्ववेद में। अन्य सामाजिक विषय भी हैं जैसे वैवाहिक मंत्रो, मैत्री, संतति, दीर्घायु,पशुधन और सम्पन्नता के लिए प्रार्थनाएं । समग्रत: वे मनुष्य की धार्मिक चेतना के अनूठे दस्तावेज हैं। किन्तु पहली बार ऋग्वेद का प्रथम संस्करण फ्रेडरिक मैक्स म्यूलर के प्रयासों से 19 वीं सदी के मध्य में ही सामने आ सका।

वेदों के अनुसार, मनुष्य और देव के बीच की कड़ी है-

1. योग
2. समय
3. स्थान
4. अग्नि

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

143 62093

Read the given passage carefully and answer the questions number from 91 to 95.

Main Subject matter of the Vedas

The Vedas contain beautiful hymns addressed to various powers of nature such as the Sun, the Moon, the Ocean, the Rain, the Dawn, all pervaded by deep intuitive awareness of the essential unity and interconnectedness behind all these phenomena. Portions deal with the ritual worship of the early Aryans the Yajna revolving around the sacred fire which was looked upon as the intermediary between the human and the divine powers. These are also a fascinating array of medical prescriptions, specially in the Atharva Veda, and a great deal of other social material including hymns to matrimony and frienship, prayers for progeny, longevity, cattle and prosperity. Taken together they constitute a unique document of the religious consciousness of the human race, it was only in the middle of the nineteenth century that the great scholar Freidrich Max Muller brought out the first printed edition of the Rig-Veda.

The subject mater of the Atharva Veda is:

1. Medical prescriptions
2. Rama story
3. Krishna story
4. Meditation system

नीचे दिए गद्यांश को सावधानी पूर्वक पढ़ें और प्रश्न के उत्तर दें :-

वेदों के विषय वस्तु

वेदों में प्रकृति के विभिन्न शक्तियों से जुड़ी अर्थपूर्ण ऋचाएँ हैं, जैसे सूर्य, चन्द्र, सागर, वर्षा, ऊषा। ये सब अस्तित्वगत अखंडता और अंतर्संबद्धता के प्रति गहन चेतना से प्रेरित हैं। इनके कुछ अंश प्रारम्भिक अर्थों के धार्मिक कर्मकांडों और अग्नि के साथ यज्ञ से जुड़े हैं क्योंकि इन्हें मनुष्य और दैवी शक्तियों क जोड़ने वाला माना जाता है। कई चिकित्सकीय उपाय भी हैं- विशेषकर अथर्ववेद में। अन्य सामाजिक विषय भी हैं जैसे वैवाहिक मंत्रो, मैत्री, संतति, दीर्घायु,पशुधन और सम्पन्नता के लिए प्रार्थनाएं । समग्रत: वे मनुष्य की धार्मिक चेतना के अनूठे दस्तावेज हैं। किन्तु पहली बार ऋग्वेद का प्रथम संस्करण फ्रेडरिक मैक्स म्यूलर के प्रयासों से 19 वीं सदी के मध्य में ही सामने आ सका।

अथर्ववेद की विषयवस्तु है :

1. चिकित्सीय उपाय
2. रामकथा
3. कृष्णकथा
4. ध्यान विधि

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

144 62094

Read the given passage carefully and answer the questions number from 91 to 95.

Main Subject matter of the Vedas

The Vedas contain beautiful hymns addressed to various powers of nature such as the Sun, the Moon, the Ocean, the Rain, the Dawn, all pervaded by deep intuitive awareness of the essential unity and interconnectedness behind all these phenomena. Portions deal with the ritual worship of the early Aryans the Yajna revolving around the sacred fire which was looked upon as the intermediary between the human and the divine powers. These are also a fascinating array of medical prescriptions, specially in the Atharva Veda, and a great deal of other social material including hymns to matrimony and frienship, prayers for progeny, longevity, cattle and prosperity. Taken together they constitute a unique document of the religious consciousness of the human race, it was only in the middle of the nineteenth century that the great scholar Freidrich Max Muller brought out the first printed edition of the Rig-Veda.

The vedas are a unique documents of:

1. Political system
2. Ancient dance performance
3. Religious consciousness
4. Social code of conducts

नीचे दिए गद्यांश को सावधानी पूर्वक पढ़ें और प्रश्न के उत्तर दें :-

वेदों के विषय वस्तु

वेदों में प्रकृति के विभिन्न शक्तियों से जुड़ी अर्थपूर्ण ऋचाएँ हैं, जैसे सूर्य, चन्द्र, सागर, वर्षा, ऊषा। ये सब अस्तित्वगत अखंडता और अंतर्संबद्धता के प्रति गहन चेतना से प्रेरित हैं। इनके कुछ अंश प्रारम्भिक अर्थों के धार्मिक कर्मकांडों और अग्नि के साथ यज्ञ से जुड़े हैं क्योंकि इन्हें मनुष्य और दैवी शक्तियों क जोड़ने वाला माना जाता है। कई चिकित्सकीय उपाय भी हैं- विशेषकर अथर्ववेद में। अन्य सामाजिक विषय भी हैं जैसे वैवाहिक मंत्रो, मैत्री, संतति, दीर्घायु,पशुधन और सम्पन्नता के लिए प्रार्थनाएं । समग्रत: वे मनुष्य की धार्मिक चेतना के अनूठे दस्तावेज हैं। किन्तु पहली बार ऋग्वेद का प्रथम संस्करण फ्रेडरिक मैक्स म्यूलर के प्रयासों से 19 वीं सदी के मध्य में ही सामने आ सका।

वेद इस विषय की अनूठी कृतियाँ हैं :

1. राजव्यवस्था
2. प्राचीन नृत्य प्रदर्शन
3. धार्मिक चेतना
4. सामाजिक आचार विधान

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

145 62095

Read the given passage carefully and answer the questions number from 91 to 95.

Main Subject matter of the Vedas

The Vedas contain beautiful hymns addressed to various powers of nature such as the Sun, the Moon, the Ocean, the Rain, the Dawn, all pervaded by deep intuitive awareness of the essential unity and interconnectedness behind all these phenomena. Portions deal with the ritual worship of the early Aryans the Yajna revolving around the sacred fire which was looked upon as the intermediary between the human and the divine powers. These are also a fascinating array of medical prescriptions, specially in the Atharva Veda, and a great deal of other social material including hymns to matrimony and frienship, prayers for progeny, longevity, cattle and prosperity. Taken together they constitute a unique document of the religious consciousness of the human race, it was only in the middle of the nineteenth century that the great scholar Freidrich Max Muller brought out the first printed edition of the Rig-Veda.

The first printed edition of the Rigveda is brought out by:

1. A. B. Keith
2. Max Muller
3. S. Radhakrishnan
4. Rhys David

नीचे दिए गद्यांश को सावधानी पूर्वक पढ़ें और प्रश्न के उत्तर दें :-

वेदों के विषय वस्तु

वेदों में प्रकृति के विभिन्न शक्तियों से जुड़ी अर्थपूर्ण ऋचाएँ हैं, जैसे सूर्य, चन्द्र, सागर, वर्षा, ऊषा। ये सब अस्तित्वगत अखंडता और अंतर्संबद्धता के प्रति गहन चेतना से प्रेरित हैं। इनके कुछ अंश प्रारम्भिक अर्थों के धार्मिक कर्मकांडों और अग्नि के साथ यज्ञ से जुड़े हैं क्योंकि इन्हें मनुष्य और दैवी शक्तियों क जोड़ने वाला माना जाता है। कई चिकित्सकीय उपाय भी हैं- विशेषकर अथर्ववेद में। अन्य सामाजिक विषय भी हैं जैसे वैवाहिक मंत्रो, मैत्री, संतति, दीर्घायु,पशुधन और सम्पन्नता के लिए प्रार्थनाएं । समग्रत: वे मनुष्य की धार्मिक चेतना के अनूठे दस्तावेज हैं। किन्तु पहली बार ऋग्वेद का प्रथम संस्करण फ्रेडरिक मैक्स म्यूलर के प्रयासों से 19 वीं सदी के मध्य में ही सामने आ सका।

ऋग्वेद का प्रथम संस्करण इसने प्रकाशित किया :-

1. ए. बी. कीथ
2. मैक्स म्यूलर
3. एम. राधा कृष्णन
4. राइस डेविड

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

146 62096

Read the given passage carefully and answer the questions that follow

Mahavira has presented a well thought out spiritual viewpoint about these five vows and said that all these can be properly observed only through the purity of knowledge about the self. Mahavira has expanded his own horizon to such an extent that he could see a soul similar to his own in every living being.

Therefore, his development of the idea of equality of living beings is the fundamental basis of these five vows. Any lay follower who will practice these vows in this sprit will manifest all those features in his conduct about which the scriptures vex themselves eloquent.

In the households dharma the qualitative vows (Guṇavrata) and the educational vows (Śikṣāvrata) are meant for further emphasizing the practice of non-violence. The qualitative vows are three-1. To lay a limit on one's movements in all directions in order to limit one's desires is called 'Dig-vrata'. 2. to limit the items of food and use in order to reduce attachment towards those items is called 'Bhogopabhoga' parimāṇa vrata' 3. To refrain from doing unnecessary things such as not to think ill to others, not to instigate someone to do violent things and not to misuse necessary things, etc is called 'Anarthadaṇḍa viramaṇa vrata,'

The educational vows are four-1. To retain one's equanimity in relation to everything and every being and to engage oneself in self-contemplation is to practice 'Sāmāyika Vrta.' 2. to fast and spend one's time in religious activities in order to stabilize the feling of equanimity is called' Proṣadhopavāsa vrata'. 3. To further limit the movements in various directions and the use of various items daily for overcoming the passions is said to be the 'Deśa-vrata'. 4. To gave food, medicine, eyc to monks and nuns who are engaged in spritual practice only is called 'Atithi saṃvibhāga vrata', this is also known as 'Vaiyāvratya' and implies rendering service to the all renounced monks, etc.

Giving Charity of self-realized guests and Monks is within the premise of this vow-

1. Desavrata
2. Poṣadhopavāsa
3. Atithisaṃvibhāga
4. Anarthadaṇḍa

नीचे दिए गद्यांश को सावधानी पूर्वक पढ़ें और प्रश्न के उत्तर दें :-
महावीर ने इन पंचव्रतों के बारे में अपना आध्यात्मिक दर्शन सुविचारित रूप में सामने रखा है और कहा है कि आत्म के संबंध में पूर्ण ज्ञान होने पर ही इसका पालन ठीक ढंग से किया जा सकता है। महावीर का वितान इतना विस्तृत था कि उन्होंने प्रत्येक प्राणी में अपनी ही आत्मा को देखा। इसलिए हर प्राणी को समान मानकर ही उन्होंने पंचव्रत की अवधारणा विकसित की। जो भी व्यक्ति पूरी निष्ठा से इसका अनुसरण करेगा, वह अपने आचरण से उन समस्त विशेषताओं को परिलक्षित करेगा जो उनके दर्शन की आधारशिला है।
गार्हस्थ धर्म में गुणव्रत और शिक्षाव्रत अहिंसा के अनुपालन पर बल देने के लिए हैं। गुणव्रत तीन हैं -1. दिग्व्रत जिसमें किसी भी दिशा भ्रमण की एक सीमा तय की गई है। 2."भोगोपभोग परिमाण व्रत" जिसमें भोजन के प्रकार और मात्रा को सीमित किया गया है, 3. "अनर्थदंड विरमण व्रत" जिसमें अनावश्यक कार्यों को निषिद्ध किया गया है जैसे- अन्य का अहित न सोचना, हिंसा के लिए किसी को न उकसाना और आवश्यक वस्तुओं का दुरुपयोग न करना शामिल है।
चार शिक्षाव्रत हैं - 1. प्रत्येक व्यक्ति और वस्तु के समानता का भाव रखना और स्वयं आत्मचिंतन में निमग्न रहना "सामायिक व्रत" है, 2. उपवास करना और धार्मिक कार्यों में स्वयं को समत्व के भाव में स्थिर करने के लिए समय व्यतीत करना "प्रोषधोपवास व्रत" है, 3. विभिन्न दिशाओं में भ्रमण को और अधिक सीमित करना और कामनाओं पर नियंत्रण के लिए विभिन्न वस्तुओं का नित्य उपयोग करना "देशव्रत" है, 4.पूर्णत: धर्म कार्यों को समर्पित भिक्षुओं और ननों को अन्न, दवा आदि देना "अतिथि संविभाग व्रत" है जिसे "वैयाव्रत" भी कहा जाता है और जिसका अर्थ परिव्राजक भिक्षुओं आदि की सेवा करना है।

आत्मसिद्ध अतिथियों और भिक्षुओं को दान देना कहलाता है :-

1. देशव्रत
2. प्रोषधोपवास
3. अतिथिसंविभाग
4. अनर्थदंड

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

147 62097

Read the given passage carefully and answer the questions that follow

Mahavira has presented a well thought out spiritual viewpoint about these five vows and said that all these can be properly observed only through the purity of knowledge about the self. Mahavira has expanded his own horizon to such an extent that he could see a soul similar to his own in every living being.

Therefore, his development of the idea of equality of living beings is the fundamental basis of these five vows. Any lay follower who will practice these vows in this sprit will manifest all those features in his conduct about which the scriptures vex themselves eloquent.

In the households dharma the qualitative vows (Guṇavrata) and the educational vows (Śikṣāvrata) are meant for further emphasizing the practice of non-violence. The qualitative vows are three-1. To lay a limit on one's movements in all directions in order to limit one's desires is called 'Dig-vrata'. 2. to limit the items of food and use in order to reduce attachment towards those items is called 'Bhogopabhoga' parimāṇa vrata' 3. To refrain from doing unnecessary things such as not to think ill to others, not to instigate someone to do violent things and not to misuse necessary things, etc is called 'Anarthadaṇḍa viramaṇa vrata,'

The educational vows are four-1. To retain one's equanimity in relation to everything and every being and to engage oneself in self-contemplation is to practice 'Sāmāyika Vrta.' 2. to fast and spend one's time in religious activities in order to stabilize the feling of equanimity is called' Proṣadhopavāsa vrata'. 3. To further limit the movements in various directions and the use of various items daily for overcoming the passions is said to be the 'Deśa-vrata'. 4. To gave food, medicine, eyc to monks and nuns who are engaged in spritual practice only is called 'Atithi saṃvibhāga vrata', this is also known as 'Vaiyāvratya' and implies rendering service to the all renounced monks, etc.

Determination of limit by reducing attachment toward objects is the speciality of this vow-

1. Sāmāyaika Vrata
2. Bhogopabhoga Vrata
3. Anarthadaṇḍa Vrata
4. Dig Vrata

नीचे दिए गद्यांश को सावधानी पूर्वक पढ़ें और प्रश्न के उत्तर दें :-
महावीर ने इन पंचव्रतों के बारे में अपना आध्यात्मिक दर्शन सुविचारित रूप में सामने रखा है और कहा है कि आत्म के संबंध में पूर्ण ज्ञान होने पर ही इसका पालन ठीक ढंग से किया जा सकता है। महावीर का वितान इतना विस्तृत था कि उन्होंने प्रत्येक प्राणी में अपनी ही आत्मा को देखा। इसलिए हर प्राणी को समान मानकर ही उन्होंने पंचव्रत की अवधारणा विकसित की। जो भी व्यक्ति पूरी निष्ठा से इसका अनुसरण करेगा, वह अपने आचरण से उन समस्त विशेषताओं को परिलक्षित करेगा जो उनके दर्शन की आधारशिला है।
गार्हस्थ धर्म में गुणव्रत और शिक्षाव्रत अहिंसा के अनुपालन पर बल देने के लिए हैं। गुणव्रत तीन हैं -1. दिग्व्रत जिसमें किसी भी दिशा भ्रमण की एक सीमा तय की गई है। 2."भोगोपभोग परिमाण व्रत" जिसमें भोजन के प्रकार और मात्रा को सीमित किया गया है, 3. "अनर्थदंड विरमण व्रत" जिसमें अनावश्यक कार्यों को निषिद्ध किया गया है जैसे- अन्य का अहित न सोचना, हिंसा के लिए किसी को न उकसाना और आवश्यक वस्तुओं का दुरुपयोग न करना शामिल है।
चार शिक्षाव्रत हैं - 1. प्रत्येक व्यक्ति और वस्तु के समानता का भाव रखना और स्वयं आत्मचिंतन में निमग्न रहना "सामायिक व्रत" है, 2. उपवास करना और धार्मिक कार्यों में स्वयं को समत्व के भाव में स्थिर करने के लिए समय व्यतीत करना "प्रोषधोपवास व्रत" है, 3. विभिन्न दिशाओं में भ्रमण को और अधिक सीमित करना और कामनाओं पर नियंत्रण के लिए विभिन्न वस्तुओं का नित्य उपयोग करना "देशव्रत" है, 4.पूर्णत: धर्म कार्यों को समर्पित भिक्षुओं और ननों को अन्न, दवा आदि देना "अतिथि संविभाग व्रत" है जिसे "वैयाव्रत" भी कहा जाता है और जिसका अर्थ परिव्राजक भिक्षुओं आदि की सेवा करना है।

वस्तुओं के प्रति आग्रह को सीमित करने का निश्चय करने वाला व्रत कहलाता है :

1. सामायिक व्रत
2. भोगोपभोग व्रत
3. अनर्थदंड व्रत
4. दिग्व्रत

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

148 62098

Read the given passage carefully and answer the questions that follow

Mahavira has presented a well thought out spiritual viewpoint about these five vows and said that all these can be properly observed only through the purity of knowledge about the self. Mahavira has expanded his own horizon to such an extent that he could see a soul similar to his own in every living being.

Therefore, his development of the idea of equality of living beings is the fundamental basis of these five vows. Any lay follower who will practice these vows in this sprit will manifest all those features in his conduct about which the scriptures vex themselves eloquent.

In the households dharma the qualitative vows (Guṇavrata) and the educational vows (Śikṣāvrata) are meant for further emphasizing the practice of non-violence. The qualitative vows are three-1. To lay a limit on one's movements in all directions in order to limit one's desires is called 'Dig-vrata'. 2. to limit the items of food and use in order to reduce attachment towards those items is called 'Bhogopabhoga' parimāṇa vrata' 3. To refrain from doing unnecessary things such as not to think ill to others, not to instigate someone to do violent things and not to misuse necessary things, etc is called 'Anarthadaṇḍa viramaṇa vrata,'

The educational vows are four-1. To retain one's equanimity in relation to everything and every being and to engage oneself in self-contemplation is to practice 'Sāmāyika Vrta.' 2. to fast and spend one's time in religious activities in order to stabilize the feling of equanimity is called' Proṣadhopavāsa vrata'. 3. To further limit the movements in various directions and the use of various items daily for overcoming the passions is said to be the 'Deśa-vrata'. 4. To gave food, medicine, eyc to monks and nuns who are engaged in spritual practice only is called 'Atithi saṃvibhāga vrata', this is also known as 'Vaiyāvratya' and implies rendering service to the all renounced monks, etc.

According to paragraph, this is the base of Guṇavrata and Śikṣāvrata-

1. Non-Violence
2. Anekānta
3. Sāṃāyikā
4. Possessiveness

नीचे दिए गद्यांश को सावधानी पूर्वक पढ़ें और प्रश्न के उत्तर दें :-
महावीर ने इन पंचव्रतों के बारे में अपना आध्यात्मिक दर्शन सुविचारित रूप में सामने रखा है और कहा है कि आत्म के संबंध में पूर्ण ज्ञान होने पर ही इसका पालन ठीक ढंग से किया जा सकता है। महावीर का वितान इतना विस्तृत था कि उन्होंने प्रत्येक प्राणी में अपनी ही आत्मा को देखा। इसलिए हर प्राणी को समान मानकर ही उन्होंने पंचव्रत की अवधारणा विकसित की। जो भी व्यक्ति पूरी निष्ठा से इसका अनुसरण करेगा, वह अपने आचरण से उन समस्त विशेषताओं को परिलक्षित करेगा जो उनके दर्शन की आधारशिला है।
गार्हस्थ धर्म में गुणव्रत और शिक्षाव्रत अहिंसा के अनुपालन पर बल देने के लिए हैं। गुणव्रत तीन हैं -1. दिग्व्रत जिसमें किसी भी दिशा भ्रमण की एक सीमा तय की गई है। 2."भोगोपभोग परिमाण व्रत" जिसमें भोजन के प्रकार और मात्रा को सीमित किया गया है, 3. "अनर्थदंड विरमण व्रत" जिसमें अनावश्यक कार्यों को निषिद्ध किया गया है जैसे- अन्य का अहित न सोचना, हिंसा के लिए किसी को न उकसाना और आवश्यक वस्तुओं का दुरुपयोग न करना शामिल है।
चार शिक्षाव्रत हैं - 1. प्रत्येक व्यक्ति और वस्तु के समानता का भाव रखना और स्वयं आत्मचिंतन में निमग्न रहना "सामायिक व्रत" है, 2. उपवास करना और धार्मिक कार्यों में स्वयं को समत्व के भाव में स्थिर करने के लिए समय व्यतीत करना "प्रोषधोपवास व्रत" है, 3. विभिन्न दिशाओं में भ्रमण को और अधिक सीमित करना और कामनाओं पर नियंत्रण के लिए विभिन्न वस्तुओं का नित्य उपयोग करना "देशव्रत" है, 4.पूर्णत: धर्म कार्यों को समर्पित भिक्षुओं और ननों को अन्न, दवा आदि देना "अतिथि संविभाग व्रत" है जिसे "वैयाव्रत" भी कहा जाता है और जिसका अर्थ परिव्राजक भिक्षुओं आदि की सेवा करना है।

गद्यांश के अनुसार, गुणव्रत और शिक्षाव्रत का आधार है:

1. अहिंसा
2. अनेकांत
3. सामायिक
4. परिग्रह

A1 : 1

1

A2 : 2

			2
		A3 :	3
			3
		A4 :	4
			4

Objective Question

149 62099

Read the given passage carefully and answer the questions that follow

Mahavira has presented a well thought out spiritual viewpoint about these five vows and said that all these can be properly observed only through the purity of knowledge about the self. Mahavira has expanded his own horizon to such an extent that he could see a soul similar to his own in every living being.

Therefore, his development of the idea of equality of living beings is the fundamental basis of these five vows. Any lay follower who will practice these vows in this sprit will manifest all those features in his conduct about which the scriptures vex themselves eloquent.

In the households dharma the qualitative vows (Guṇavrata) and the educational vows (Śikṣāvrata) are meant for further emphasizing the practice of non-violence. The qualitative vows are three-1. To lay a limit on one's movements in all directions in order to limit one's desires is called 'Dig-vrata'. 2. to limit the items of food and use in order to reduce attachment towards those items is called 'Bhogopabhoga' parimāṇa vrata' 3. To refrain from doing unnecessary things such as not to think ill to others, not to instigate someone to do violent things and not to misuse necessary things, etc is called 'Anarthadaṇḍa viramaṇa vrata,'

The educational vows are four-1. To retain one's equanimity in relation to everything and every being and to engage oneself in self-contemplation is to practice 'Sāmāyika Vrta.' 2. to fast and spend one's time in religious activities in order to stabilize the feling of equanimity is called' Proṣadhopavāsa vrata'. 3. To further limit the movements in various directions and the use of various items daily for overcoming the passions is said to be the 'Deśa-vrata'. 4. To gave food, medicine, eyc to monks and nuns who are engaged in spritual practice only is called 'Atithi saṃvibhāga vrata', this is also known as 'Vaiyāvratya' and implies rendering service to the all renounced monks, etc.

This is the basic premise of the five vows of the householders-

1. Charity
2. Spirituality
3. Emancipation
4. Equality

नीचे दिए गद्यांश को सावधानी पूर्वक पढ़ें और प्रश्न के उत्तर दें :-
महावीर ने इन पंचव्रतों के बारे में अपना आध्यात्मिक दर्शन सुविचारित रूप में सामने रखा है और कहा है कि आत्म के संबंध में पूर्ण ज्ञान होने पर ही इसका पालन ठीक ढंग से किया जा सकता है। महावीर का वितान इतना विस्तृत था कि उन्होंने प्रत्येक प्राणी में अपनी ही आत्मा को देखा। इसलिए हर प्राणी को समान मानकर ही उन्होंने पंचव्रत की अवधारणा विकसित की। जो भी व्यक्ति पूरी निष्ठा से इसका अनुसरण करेगा, वह अपने आचरण से उन समस्त विशेषताओं को परिलक्षित करेगा जो उनके दर्शन की आधारशिला है।
गार्हस्थ धर्म में गुणव्रत और शिक्षाव्रत अहिंसा के अनुपालन पर बल देने के लिए हैं। गुणव्रत तीन हैं -1. दिग्व्रत जिसमें किसी भी दिशा भ्रमण की एक सीमा तय की गई है। 2."भोगोपभोग परिमाण व्रत" जिसमें भोजन के प्रकार और मात्रा को सीमित किया गया है, 3. "अनर्थदंड विरमण व्रत" जिसमें अनावश्यक कार्यों को निषिद्ध किया गया है जैसे- अन्य का अहित न सोचना, हिंसा के लिए किसी को न उकसाना और आवश्यक वस्तुओं का दुरुपयोग न करना शामिल है।
चार शिक्षाव्रत हैं - 1. प्रत्येक व्यक्ति और वस्तु के समानता का भाव रखना और स्वयं आत्मचिंतन में निमग्न रहना "सामायिक व्रत" है, 2. उपवास करना और धार्मिक कार्यों में स्वयं को समत्व के भाव में स्थिर करने के लिए समय व्यतीत करना "प्रोषधोपवास व्रत" है, 3. विभिन्न दिशाओं में भ्रमण को और अधिक सीमित करना और कामनाओं पर नियंत्रण के लिए विभिन्न वस्तुओं का नित्य उपयोग करना "देशव्रत" है, 4.पूर्णत: धर्म कार्यों को समर्पित भिक्षुओं और ननों को अन्न, दवा आदि देना "अतिथि संविभाग व्रत" है जिसे "वैयाव्रत" भी कहा जाता है और जिसका अर्थ परिव्राजक भिक्षुओं आदि की सेवा करना है।

गार्हस्थ पञ्चव्रत का आधार है:

1. दान
2. आध्यात्मिकता
3. मुक्ति
4. समानता

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

150 62100 Read the given passage carefully and answer the questions that follow

Mahavira has presented a well thought out spiritual viewpoint about these five vows and said that all these can be properly observed only through the purity of knowledge about the self. Mahavira has expanded his own horizon to such an extent that he could see a soul similar to his own in every living being.

Therefore, his development of the idea of equality of living beings is the fundamental basis of these five vows. Any lay follower who will practice these vows in this sprit will manifest all those features in his conduct about which the scriptures vex themselves eloquent.

In the households dharma the qualitative vows (Guṇavrata) and the educational vows (Śikṣāvrata) are meant for further emphasizing the practice of non-violence. The qualitative vows are three-1. To lay a limit on one's movements in all directions in order to limit one's desires is called 'Dig-vrata'. 2. to limit the items of food and use in order to reduce attachment towards those items is called 'Bhogopabhoga' parimāṇa vrata' 3. To refrain from doing unnecessary things such as not to think ill to others, not to instigate someone to do violent things and not to misuse necessary things, etc is called 'Anarthadanḍa viramaṇa vrata,'

The educational vows are four-1. To retain one's equanimity in relation to everything and every being and to engage oneself in self-contemplation is to practice 'Sāmāyika Vrta.' 2. to fast and spend one's time in religious activities in order to stabilize the feling of equanimity is called' Proṣadhopavāsa vrata'. 3. To further limit the movements in various directions and the use of various items daily for overcoming the passions is said to be the 'Deśa-vrata'. 4. To gave food, medicine, eyc to monks and nuns who are engaged in spritual practice only is called 'Atithi saṃvibhāga vrata', this is also known as 'Vaiyāvratya' and implies rendering service to the all renounced monks, etc.

'Vaiyavratya' is also known by this name-

1. Aparigraha Vrata
2. Digvrata
3. Atithisaṃvibhāga Vrata
4. Bhogopabhoga Vrata

नीचे दिए गद्यांश को सावधानी पूर्वक पढ़ें और प्रश्न के उत्तर दें :-
महावीर ने इन पंचव्रतों के बारे में अपना आध्यात्मिक दर्शन सुविचारित रूप में सामने रखा है और कहा है कि आत्म के संबंध में पूर्ण ज्ञान होने पर ही इसका पालन ठीक ढंग से किया जा सकता है। महावीर का वितान इतना विस्तृत था कि उन्होंने प्रत्येक प्राणी में अपनी ही आत्मा को देखा। इसलिए हर प्राणी को समान मानकर ही उन्होंने पंचव्रत की अवधारणा विकसित की। जो भी व्यक्ति पूरी निष्ठा से इसका अनुसरण करेगा, वह अपने आचरण से उन समस्त विशेषताओं को परिलक्षित करेगा जो उनके दर्शन की आधारशिला है।
गार्हस्थ धर्म में गुणव्रत और शिक्षाव्रत अहिंसा के अनुपालन पर बल देने के लिए हैं। गुणव्रत तीन हैं -1. दिग्व्रत जिसमें किसी भी दिशा भ्रमण की एक सीमा तय की गई है। 2."भोगोपभोग परिमाण व्रत" जिसमें भोजन के प्रकार और मात्रा को सीमित किया गया है, 3. "अनर्थदंड विरमण व्रत" जिसमें अनावश्यक कार्यों को निषिद्ध किया गया है जैसे- अन्य का अहित न सोचना, हिंसा के लिए किसी को न उकसाना और आवश्यक वस्तुओं का दुरुपयोग न करना शामिल है।
चार शिक्षाव्रत हैं - 1. प्रत्येक व्यक्ति और वस्तु के समानता का भाव रखना और स्वयं आत्मचिंतन में निमग्न रहना "सामायिक व्रत" है, 2. उपवास करना और धार्मिक कार्यों में स्वयं को समत्व के भाव में स्थिर करने के लिए समय व्यतीत करना "प्रोषधोपवास व्रत" है, 3. विभिन्न दिशाओं में भ्रमण को और अधिक सीमित करना और कामनाओं पर नियंत्रण के लिए विभिन्न वस्तुओं का नित्य उपयोग करना "देशव्रत" है, 4.पूर्णत: धर्म कार्यों को समर्पित भिक्षुओं और ननों को अन्न, दवा आदि देना "अतिथि संविभाग व्रत" है जिसे "वैयाव्रत" भी कहा जाता है और जिसका अर्थ परिव्राजक भिक्षुओं आदि की सेवा करना है।

"वैयाव्रत" का एक अन्य नाम है:

1. अपरिग्रह व्रत
2. दिग्व्रत
3. अतिथिसंविभाग व्रत
4. भोगोपभोग व्रत

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4